

विधि-विधान से पूजन के बाद जवाहर टेकरी पर श्री गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन प्रारंभ



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गणेश उत्सव के समापन के अवसर पर विभिन्न स्थानों से एकत्रित की गई श्री गणेश प्रतिमाओं का जवाहर टेकरी स्थित विसर्जन स्थल पर विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन के बाद विसर्जन प्रारंभ किया गया। इस दौरान प्रभारी महापौर श्री राजेन्द्र राठौर एवं महापौर परिषद के सदस्यों ने विधि-विधान से पूजन कर भगवान श्री गणेश से इंदौर शहर की सुख-समृद्धि, शांति एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।

श्री गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं सामान्य प्रशासन प्रभारी श्री नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि नगर निगम द्वारा

शहर के विभिन्न स्थानों से श्री गणेश प्रतिमाओं को एकत्रित किया जा रहा है। एकत्रित प्रतिमाओं को जवाहर टेकरी स्थित निर्धारित विसर्जन स्थल पर धार्मिक परंपराओं एवं श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए सुरक्षित और ससम्मान विसर्जित किया जा रहा है।

पूजन के पश्चात प्रतिमाओं के विसर्जन की प्रक्रिया शुरू की गई। नगर निगम द्वारा विसर्जन कार्य के लिए हार्डड्रोनिक प्लेटफॉर्म सहित अन्य तकनीकी प्लेटफॉर्म की व्यवस्था की गई है, जिससे प्रतिमाओं का सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से विसर्जन किया जा रहा है।

नगर निगम के अनुसार शहर में 100 से अधिक स्थानों से श्री गणेश प्रतिमाएं एकत्रित

की जा रही हैं। जवाहर टेकरी पर प्रतिमा विसर्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए विसर्जन प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से संपन्न कराई जा सके।

इस अवसर पर श्री गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं सामान्य प्रशासन प्रभारी श्री अश्विनी शुक्ल, श्री निरंजन सिंह चौहान, अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह, श्री आशीष सिंह, श्री अभय राजनगांवकर, श्री मनोज पाठक, वकईराणी प्रभारी श्री मनीष पांडे सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य उपस्थित रहे।

लवकुश चौराहा स्थित डबल लेयर फ्लाईओव्हर ब्रिज की दूसरी भुजा का कार्य 5 अक्टूबर तक गुणवत्ता के साथ पूरा करें : संभागायुक्त

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने आईडीए की टीपीएस-1 और टीपीएस-5 सहित बावड़ी का किया निरीक्षण



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार ने शुक्रवार को लवकुश चौराहा स्थित निर्माणाधीन डबल लेयर फ्लाईओव्हर ब्रिज की दूसरी भुजा, टीपीएस-01 और टीपीएस-5 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने ब्रिज निर्माण संबंधी एजेंसी के अधिकारियों और इंजीनियर्स से निर्माण कार्यों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों की प्रोजेक्ट और ड्राइंग रिपोर्ट देखीं। निरीक्षण के दौरान इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, इंजीनियर्स, नगर नियोजक एवं

संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने लवकुश चौराहा स्थित निर्माणाधीन डबल लेयर फ्लाईओव्हर ब्रिज की दूसरी भुजा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लवकुश फ्लाया ओव्हर लेवल-2 के संबंध में पूर्व में योजना कार्यपालन यंत्री द्वारा कार्य पूर्ण करने की समयसीमा 15 सितम्बर 2026 बताई गई थी, किन्तु निर्धारित दिनांक से 10 दिन पश्चात मौका निरीक्षण के दौरान पाया गया

कि लेवल-2 ब्रिज का कार्य अपूर्ण है। इस संबंध में आईडीए के योजना कार्यपालन यंत्री श्री राजीव सक्सेना एवं कार्यपालन यंत्री (विद्युत) श्री राकेश अखण्ड द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं होने से कार्यपालन यंत्री श्री राजीव सक्सेना का 15 दिन एवं श्री राकेश अखण्ड का 10 दिन का वेतन कटौती के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को लवकुश चौराहा स्थित डबल लेयर फ्लाईओव्हर ब्रिज की दूसरी भुजा का कार्य अगामी 5 अक्टूबर 2026 तक गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि आवश्यकता होने पर संसाधन बढ़ाये जाये। साथ ही सर्विस रोड को भी समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कम बारिश का असर, इंदौर के तालाब रहे खाली

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में कम बारिश का असर शहर के तालाबों पर अब नजर आने लगा है। तालाब अभी भी पूरे नहीं भर पाए हैं। शहर के बड़े हिस्से की प्यास बुझाने वाला यशवंत सागर तालाब तीन फीट पानी कम होने के कारण अभी पूरा नहीं भर पाया है। पिछले साल तालाब ओवरफ्लो हो गया था, लेकिन फिलहाल 16 फीट पानी भरा हुआ है। इस तालाब से पांच टंकियों से सप्लाई होती है। हर दिन 30 एमएलडी पानी लिया जाता है। यदि तालाब पूरा नहीं भरा तो अगले साल मार्च के बाद तालाब से 30 एमएलडी से कम पानी मिल पाएगा, क्योंकि तालाब जल्दी खाली हो जाएगा। खंडवा रोड क्षेत्र की कॉलोनिनों का भूजल स्तर बिलावली तालाब के कारण अच्छा रहता है, लेकिन इस साल बिलावली भी नहीं भर पाया है। पूरा सावन सूखा रह, लेकिन अब भादों में शहरवासी अच्छी बारिश की उम्मीद कर रहे हैं। शहर के सिरपुर तालाब में भी 11 फीट पानी है, जबकि छोटे सिरपुर तालाब में 14 फीट पानी भरा हुआ है। ये दोनों तालाब भी इस बार ओवरफ्लो नहीं हो पाए। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश में अगले दो दिनों तक कई जिलों में झामझम बारिश की चेतावनी दी है, क्योंकि कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय बना हुआ है। इंदौर संभाग के कई जिलों में अच्छी बारिश हुई, लेकिन इंदौर, बुरहानपुर और उज्जैन में इस बार पानी कम बरसा है। जिन जिलों में अच्छी बारिश होने की भविष्यवाणी की गई है, उनमें इंदौर, खंडवा, बुरहानपुर व आसपास के जिले शामिल हैं। लेकिन गुरुवार को न शहर में काले बादल छाए और न ठंडक खुली। लोग धूप और उमस से परेशान होते रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर भाजपा ने किया माल्यार्पण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर इंदौर में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और एकात्म मानववाद के विचारों को आत्मसात करते हुए समाज और राष्ट्रसेवा के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। देशभर में भी भाजपा नेताओं ने जयंती के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को याद किया।



की दिशा में महत्वपूर्ण वैचारिक योगदान दिया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार भाजपा कार्यकर्ताओं को समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाजसेवा का साधन मानते थे। उनके विचारों से प्रेरणा लेते हुए भाजपा कार्यकर्ता गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग के कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प दोहरा रहे हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती प्रत्येक वर्ष 25 सितंबर को मनाई जाती है।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष घनश्याम नारोलिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुंदर मंडले, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पप्पी विजय पाटीदार, शिवनारायण डिंगू, मनोज ठाकुर, किरण सूर्यवंशी, राजेश मंडले, दीपक यादव, शुभम जी सहित भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं भाजपा परिवारजन उपस्थित रहे।

जीएसीसी कॉलेज में एनएसएस स्थापना दिवस पर विशेष व्याख्यान आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर में 24 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. ममता चंद्रशेखर ने की। मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना का राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त पूर्व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय प्रसाद उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रेणु सिन्हा भी कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। मुख्य वक्ता डॉ. संजय प्रसाद ने अपने



व्याख्यान में राष्ट्रीय सेवा योजना की मूल भावना 'मैं नहीं, आप' को केंद्र में रखते हुए विद्यार्थियों को समाज के प्रति अपने दायित्वों

के निर्वहन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को केवल आकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें समाज की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ने का कार्य करता है। उन्होंने स्वच्छता, परिवारण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, ग्राम विकास और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्या डॉ. ममता चंद्रशेखर ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को सेवा, अनुशासन, सहयोग और सामाजिक संवेदनशीलता जैसे मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना की डायरी में उल्लेखित

शपथ का संदर्भ देते हुए एक आदर्श नागरिक के निर्माण में एनएसएस की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति समाज और राष्ट्र के विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला है तथा एनएसएस के माध्यम से विद्यार्थी अपने व्यक्ति विकास के साथ समाज के विकास में भी सार्थक योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अतिथि परिचय डॉ. ज्ञानेश्वर तिखे ने दिया, जबकि आभार प्रदर्शन कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अरुण कुमार आर्य ने किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने किया। समापन गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सांवेर विधानसभा के वार्ड 35 और 36 को मिली विकास कार्यों की सौगात



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने शुक्रवार को निपानिया मंडल के पिपलियाकुमार एवं पंचवटी कॉलोनी में सांवेर विधानसभा क्षेत्र के नगरीय वार्ड क्रमांक 35 और 36 में लगभग 19

करोड़ 50 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों से क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ होने के साथ ही सड़क एवं बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। विशेष रूप से 11 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली नवीन पेयजल टंकी से 14 से अधिक कॉलोनिनों के 20 हजार से अधिक नागरिकों को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने वार्ड क्रमांक 35 में लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत के छह विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इनमें 11 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली नवीन पेयजल टंकी का भूमिपूजन प्रमुख रूप से शामिल है। इस टंकी का निर्माण अगामी 18 माह में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही संबंधित क्षेत्र की 14 से अधिक कॉलोनिनों में पेयजल लाइन बिछाने की योजना पर भी कार्य किया जाएगा। इस परियोजना से पंचवटी कॉलोनी, डीबी प्राड्ड, सिंगापुर टाउनशिप, ड्रीम सिटी, सिंगापुर ग्रीन व्यू कॉलोनी, पंचवटी एनेक्स, तलावली चांद, रास टाउन, सांची प्लांट डेरी सहित आसपास की अन्य कॉलोनिनों के 20 हजार से अधिक रहवासियों को लाभ मिलेगा। नवीन पेयजल टंकी और पाइपलाइन के विस्तार से क्षेत्र में पेयजल उपलब्धता को बेहतर बनाने तथा नागरिकों की पेयजल संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सहायता मिलेगी। मंत्री श्री सिलावट ने पंचवटी कॉलोनी की छह गलियों में सीसी रोड निर्माण कार्यों की भी जानकारी दी। इन सड़कों के निर्माण से स्थानीय रहवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा कॉलोनी के आंतरिक मार्गों का विकास होगा। वार्ड क्रमांक 36 में लगभग छह करोड़ रुपये की लागत से चार स्थानों पर सीसी रोड निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों से क्षेत्र के आंतरिक मार्गों की स्थिति में सुधार होगा और नागरिकों को आवागमन की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। इस अवसर पर जल संधारण मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सांवेर विधानसभा क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क, ड्रेनेज, नाली, स्वास्थ्य, शिक्षा, तालाब, गार्डन तथा सजीवनी क्लिनिक जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे लाखों नागरिकों को लाभ मिल रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 28 सितंबर से होगा ‘आंगन मिलन उत्सव’

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा महिला मोर्चा इंदौर नगर एवं ग्रामीण की संयुक्त बैठक में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले ‘आंगन मिलन उत्सव’ की तैयारियों और कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं से प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र तक पहुंचकर कार्यक्रम को उत्सव के रूप में आयोजित करने और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के सम्मान के साथ हितग्राहियों से संवाद करने का आह्वान किया गया।

बैठक में महिला मोर्चा इंदौर संभाग प्रभारी वंदना मंडरे ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत ‘आंगन मिलन उत्सव’ की जिम्मेदारी महिला मोर्चा को सौंपी गई है।



उन्होंने बताया कि कार्यक्रम 28 सितंबर से प्रारंभ होकर तीन चरणों में चलेगा और 5 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस दौरान बच्चों के साथ मनोरंजक गतिविधियां और खेल आयोजित करने के साथ उनका प्रोत्साहन किया जाएगा।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि ‘आंगन मिलन उत्सव’ को उत्साह के साथ

उत्सव के रूप में मनाया जाए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका बहनें घर-घर जाकर लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, इसलिए उनके सम्मान का कार्यक्रम भी उत्सव के माहौल में आयोजित किया जाना चाहिए।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने कहा कि कार्यकर्ता गांव-गांव तक

पहुंचकर जनपद, जिला पंचायत, नगर परिषद और ग्राम स्तर के प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में कार्यक्रम आयोजित करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को व्यापक स्तर पर पहुंचाने का आह्वान किया।

महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा भाव को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सम्मान उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के सम्मान के रूप में किया जाएगा।

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष किरण सूर्यवंशी ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के निर्माण और विकासित भारत के निर्माण में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान की भावना के साथ ‘आंगन मिलन उत्सव’ के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सम्मान करने का संकल्प लिया।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीति के प्रेरणास्रोत और संगठन के पितृ पुरुष हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान और अंत्योदय के विचार को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार आज भी समाज और राष्ट्र के लिए प्रासंगिक हैं तथा एकात्म मानववाद के

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत व्याख्यान का हुआ आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किला, साहित्य एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में हिंदी भाषा के प्रति रूचि, गौरव एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति की भावना विकसित करना तथा हिंदी के व्यापक स्वरूप से परिचित कराना



रहा। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. पी. पी. बैरागी के मार्गदर्शन एवं हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज चौहान के

निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में हिंदी भाषा की समृद्ध परंपरा, उसके साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महत्व तथा वर्तमान समय में हिंदी की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव ने अपने आशीर्वाचन प्रदान करते हुए कहा कि देश की ताकत नैजवान है और देश की शोहरत भी नैजवानों से है।

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बापट चौराहा और दीनदयाल उपवन, थंवरकुआं स्थित उनकी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान भाजपा नेताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कुतिल का स्मरण करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

बापट चौराहे पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक रमेश मेंदोला, सुदर्शन गुप्ता, कार्यकारी महापौर राजेंद्र राठौर, निरंजन सिंह गुड्डा, कमल वाघेला, टीनू जैन, सुधीर



कोल्हे, दीपि हाडा, हेमराज वाडिया, सचिन बंसल, गोविंद पंवार, भूपेंद्र केसरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसी क्रम में दीनदयाल उपवन, थंवरकुआं में मंत्री तुलसीराम सिलावट, शंकर

लालवानी, महेंद्र हाडिया, मधु वर्मा, कैलाश पोपले, हरप्रती बक्शी, महेश कुकरेजा, गौतम शर्मा सहित अनेक भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीति के प्रेरणास्रोत और संगठन के पितृ पुरुष हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान और अंत्योदय के विचार को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार आज भी समाज और राष्ट्र के लिए प्रासंगिक हैं तथा एकात्म मानववाद के

विचारों के माध्यम से राष्ट्र के समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। सुमित मिश्रा ने कहा कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में सभी को सहभागी बनकर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में योगदान देना है और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों के भारत के निर्माण का प्रयास करना है।

परिवहन में प्रयुक्त भारतीय सिव्वाय कार (एएमपी 14 जेडएच 0326) एवं एक स्मार्ट मोबाइल फोन जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच कर रहे एसएसआई संतोष मुनिया ने बताया आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह उक्त डोडाचूरी अपने घर से लाया था तथा बिजुंज के नीचे ढाबे पर खड़े पंजाब के ट्रक ड्राइवर को देने जा रहा था। आरोपी को जॉब में पेश किया, जहां से उसे जाल भेज दिया है। इधर दूसरे मामले में चौकी प्रभारी रितेश डामोर ने बताया कि पुलिस ने गुवागार राशि मुखबि की सूचना पर बड़ी-बालागुडू रांग पर वेस्ट-डोडाचूरी की ओर से आ रहे बाइक सवार को गिरा, तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 46 ग्राम समझी व दो किलो डोडाचूरी बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान खिलचौपुरा (नंदसरी) निवासी साबित हुसेन पिता शानवार हुसेन होना बताया। चौकी प्रभारी ने बताया आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमाण्ड लेकर डोडाचूरी कहां से लाया था तथा कहां देने जा रहा था, इस संबंध में पूछताछ की जाएगी।

सम्पादकीय

स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव, यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- «पर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ खड़े होना।»: यह थीम केवल पर्यावरण की रक्षा का आह्वान नहीं है, बल्कि विज्ञान, प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी में अन्न उगाता है, जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है, ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वास्थ्य नहीं रह सकता और मनुष्य का अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार करेगा। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 3.6 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने अपर्याप्त जल उपलब्धता का सामना करते हैं। वर्ष 2000 के बाद बाढ़ से जुड़ी आपदाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की संख्या व अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पानी कम हो रहा है, इसका अर्थ यह भी है कि बीमारियाँ, विस्थापन, खाद्य-असुरक्षा और मानसिक तनाव बढ़ने की जमीन तैयार हो रही है। जलवायु परिवर्तन का सबसे कठोर चेहरा आज मानव शरीर पर दिखाई दे रहा है। हलन्त्यु.एच.ओ. के अनुसार 2000-2004 की तुलना में 2017-2021 के दौरान 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मृत्यु-दर लगभग 85 प्रतिशत बढ़ी। गर्मी केवल असुविधा नहीं है, यह हृदय, क्षयन, मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों को गंभीर बना सकती है। इसीलिए जलवायु नीति को स्वास्थ्य नीति से अलग देखने का समय समाप्त हो चुका है। वास्तव में पर्यावरणीय जोखिम आज वैश्विक स्वास्थ्य का मौन संकट बन चुके हैं। डब्ल्यु.एच.ओ. के अनुसार पर्यावरण से जुड़े जोखिमों को कम करके दुनिया में होने वाली लगभग 24 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण अकेले हर वर्ष लाखों समयपूर्व मौतों से जुड़ा है। इसलिए अस्पतालों की संख्या बढ़ना ही स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि हवा प्रदूषित है, पानी असुरक्षित है, मिट्टी जहरीली है और शहरों में गर्मी बढ़ रही है, तो बीमारी के कारणों को छोड़े रखकर केवल इलाज की व्यवस्था बढ़ाना अधूरा प्रयास होगा।

आज दुनिया का «इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था» से «रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था» की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा क्षयन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं है। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी, जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पीढ़ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएनईपी के नवीनतम ग्लोबल इन्वायरंट आउटलुक-7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु, स्वस्थ प्रकृति, बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को बड़े लाभ मिल सकते हैं, जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु, जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कीमत डाल सकता है।

यहां भारत के लिए भी एक बड़ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा, भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन, जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता, वह भविष्य की बीमारी, विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा, तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यु.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले «वन हैथ्यू» दृष्टिकोण पर बल देता है। इसका संदेश स्पष्ट है-मानव स्वास्थ्य को पृथक द्वीप की तरह सुरक्षित नहीं किया जा सकता, स्वस्थ मनुष्य के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है। नई दिशा यह होनी चाहिए कि प्रत्येक शहर अपना «पर्यावरण स्वास्थ्य बजट» बनाए। इसमें केवल सड़क और भवन नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति हरित क्षेत्र, स्वस्थ हवा, सुरक्षित पानी, वृक्ष आरण, जल-संचयन, कचरा प्रबंधन, गर्मी से सुरक्षा और जैव-विविधता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाए।

श्राद्ध पक्ष में सहजयोग ध्यान के माध्यम से पितरों की मुक्ति संभव



जिसमें सभी अपने पूर्वजों की सेवा करते हैं और अपने कर्म से उनके प्रति अपनी आस्था दर्शाते हैं।

ऐसी मान्यता है कि आध्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्मण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। सहज योग एक ऐसी वैज्ञानिक ध्यान पद्धति है जिसमें सारे विधि विधान ध्यानावस्था में? ही कर लिये जाते हैं। जब मानव की सहज योग ध्यान पद्धति से कुंडलिनी जागृत होती है और जब ईश्वर से एकाकारिता प्रस्थापित होती है, तब हाथों से बहता चैतन्य हमारे सारे आध्यात्मिक? और आत्मिक कार्य सुचारू रूप से संपन्न करने में हमारी सहायता करते हैं।

ध्यानावस्था के दौरान जब हमारे हृदय चक्र के दाहिनी ओर जहाँ श्री राम और सीता माता का स्थान है, वहीं हमें भारीपन, दर्द या असंतुलन महसूस होता है तब सहज योगी यह जान लेते हैं कि उनके माता पिता चाहे वो जीवित हो या उन्होंने शरीर छोड़ दिया हो, वे किसी न किसी बैचेनी से ग्रस्त हैं तब सहज योगी दाहिने हृदय पर उनकी स्वस्थता की कामना करते हुये अपनी हथेली से उनपर चैतन्य प्रवाहित करते हैं, श्री माताजी से प्रार्थना करते हैं और मंत्र बोलते हैं।

ऐसे ही, श्राद्धपक्ष में यदि किसी साधक को लगता है कि उनपर पितृदोष है तब सुबह के ध्यान के उपरांत 16 दिनों तक ये प्रार्थना नियमित करते हैं कि,

हे परमपिता परमेश्वर हमारे समस्त पितृ पूर्वजों को आप सद्गति दीजिये, उन्हें अपने श्रैचरणों मे स्थापित कीजिए ।

कई बार पितर अपनों बच्चों की चिंता में भी अशांत रहते है इसीलिए पितरों से भी प्रार्थना करते हैं कि आप हमारी चिन्ता ना करे हम माँ आदिशक्ति के श्रैचरणों मे पूर्ण रूप से सुखी और संतुष्ट है।

सहजयोगियों के रोज इस प्रकार की प्रार्थना के उपरांत अन्य किसी भी अन्य श्राद्धकर्म आवश्यकता नहीं रहती।

मांग किसी की हो, कीमत अक्सर किसी और को चुकानी पड़ती है। बैंक कर्मचारियों की मांग हो तो बैंक बंद, बस मालिकों की हो तो परिवहन व्यवस्था ठप, ट्रक ऑपरेटरों की हो तो माल ढुलाई ठप, डॉक्टरों की हो तो अस्पतालों की रफ्तार धीमी और शिक्षकों की हो तो पढ़ाई प्रभावित। क्षेत्र अलग, समस्याएं अलग और संगठन अलग, लेकिन हड़ताल की पटकथा लगभग एक–चेतावनी, बंद, वार्ता, आशासन और फिर कुछ दिनों की शांति। फिर नया मुद्दा, नई चेतावनी और वही पुराना चक्र। इस सिलसिले का सबसे स्थायी किर्दार वही है, जो न कर्मचारी है, न प्रबंधन और न नीति–निर्माता–आम आदमी, जो हर बार बिना मांग किए इसकी कीमत चुकाता है।

आठ लाख बैंक कर्मचारी पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह, पीएलआई योजना की वापसी/संशोधन और पेंशन अपडेशन समेत अन्य लंबित मुद्दों की मांग को लेकर हड़ताल की चेतावनी दे रहे हैं। सवाल इन मांगों से ज्यादा उस व्यवस्था पर है, जो समाधान तक पहुंचने से पहले हड़ताल की स्थिति बना देती है। काम के घंटे, पारिश्रमिक, पेंशन और सेवा-शर्तें कर्मचारियों के महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, इन पर बातचीत होना स्वाभाविक है। फिर समाधान हड़ताल तक क्यों पहुंचे? जब यूनियन और प्रबंधन के बीच संस्थागत संवाद का रास्ता मौजूद है, तो बैंक बंद करने की नीबट क्यों आए? और यदि मार्च 2024 में समझौता हो चुका था, तो उसकी अधिसूचना अब तक क्यों नहीं हुई?

हर बार हड़ताल की तारीख नजदीक आने पर ही

सेवा और समर्पण के ढाई दशक

भारतीय चिंतन की एक विशिष्ट अवधारणा है। यह केवल किसी की सहायता करने या परोपकार करने का भाव नहीं है, बल्कि स्वयं से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को स्वीकार करने की जीवन-दृष्टि है। जून 2026 में ‘सेवा’ शब्द का आक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में शामिल होना इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारतीय सभ्यता और चिंतन में सदियों से रचे-बसे इस शब्द को अब वैश्विक शब्दकोश में भी स्थान मिला है। भारतीय संदर्भ में सेवा का अर्थ है- नि:स्वार्थ भाव से कार्य करना, दूसरों के प्रति जिम्मेदारी निभाना, विनम्रता रखना और करुणा के साथ समाज के लिए योगदान देना।

भारतीय ‘सेवा’ की अवधारणा को केवल पश्चिमी अर्थों में प्रयुक्त ‘परोपकार’ के समान नहीं समझा जा सकता। परोपकार में जहां किसी दूसरे के लिए कुछ करने का भाव प्रमुख हो सकता है, वहीं भारतीय परंपरा में सेवा व्यक्ति के आत्म-परिवर्तन का भी माध्यम है। व्यक्ति सेवा इसलिए करता है, क्योंकि वह इसे अपना कर्तव्य और जिम्मेदारी मानता है।

सात अक्टूबर, 2001 को नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। सात अक्टूबर 2026 को उनके सार्वजनिक जीवन का यह 25 वर्ष का पड़ाव पूरा होगा। यह केवल एक राजनीतिक यात्रा की अवधि नहीं, बल्कि शासन और सार्वजनिक जीवन को ‘सेवा’ के विचार से जोड़कर देखने का अवसर भी है। नरेन्द्र मोदी ने स्वयं अपनी सार्वजनिक यात्रा को राष्ट्रसेवा के दायित्व, कृतज्ञता और उद्देश्य से जोड़कर व्यक्त किया है। भारतीय जनता पार्टी ने भी उनके इस महत्वपूर्ण पड़ाव को ‘सेवा’ के विचार के माध्यम से रेखांकित किया है। 17 सितंबर 2026 को उनके जन्मदिन के अवसर पर भाजपा ने देशव्यापी ‘सेवा संकल्प अभियान’ की शुरुआत की, जो 17 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान का मूल संदेश है- जन सेवा से देश सेवा।

यह संदेश केवल एक अभियान का नारा नहीं है। इसके पीछे यह विचार है कि सार्वजनिक जीवन की सार्थकता तभी है जब शासन और राजनीति समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का माध्यम बनें। इस संदर्भ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की ‘अंत्योदय’ की अवधारणा विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाती है। अंत्योदय का मूल भाव है- समाज और अर्थव्यवस्था के सबसे अंतिम व्यक्ति का उथान और कल्याण। विकास की वास्तविक कसौटी केवल यह नहीं है कि देश की अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी हुई या कितनी नई योजनाएं बनीं। प्रश्न यह भी है कि विकास का लाभ उस व्यक्ति तक कितना पहुंचा जो सामाजिक और आर्थिक रूप से सबसे पीछे है। अंत्योदय इसी अंतिम व्यक्ति को विकास के केंद्र में रखता है। पिछले दशक के दौरान ऐसे कई मामनीय संकेतक सामने आए हैं,

जिनके माध्यम से शासन के परिणामों को देखा जा सकता है। नीति आयोग के अनुसार, 2013-14 और 2022-23 के बीच 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। –सुनील कुमार महला

व्यवस्था क्यों जागती है?

हड़ताल की घोषणा कर्मचारी करते हैं, लेकिन उसकी तैयारी आम आदमी की करनी पड़ती है। खबर आते ही सलाह-जरूरी लेनदेन निपटा लें, नकदी निकाल लें, चेक जमा कर दें, पेंशन का काम करा लें। यानी व्यवस्था ठप होने का इंतजाम भी नागरिक करे! डिजिटल बैंकिंग बढ़ी है, पर भारत सिर्फ महानगरों की मोबाइल स्क्रीन नहीं। छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में बैंक शाखा आज भी जरूरी है। पेंशनर को काउंटर चाहिए, छोटे व्यापारी को बैंकिंग व्यवस्था और लाखों लोगों के लिए हर काम ऐप से संभव नहीं। तीन दिन बैंक बंद रहना बड़े कारोबारी के लिए असुविधा हो सकता है, लेकिन बुजुर्ग की दवा, रुकानदार का भुगतान या परिवार की जरूरी रकम अटक जाए तो उसकी कीमत बढ़ी होती है।

हड़ताल जहां काम रोकती है, वहीं उसका असर आम आदमी की जिंदगी रोक देता है। बस मालिक किराया बढ़ाने की मांग पर हड़ताल करें तो यात्री की राह और जेब, दोनों प्रभावित होते हैं। ट्रक ऑपरेटर लागत और टोल का मुद्दा उठाएं तो माल की आवाजाही रुकती है और कीमतें बढ़ती हैं। डॉक्टरों की हड़ताल में मरीज इंजाम करता है, बिजली कर्मचारियों के आंदोलन में घर-कारोबार प्रभावित होते हैं और शिक्षकों के आंदोलन में विद्यार्थियों का समय जाता है। हड़ताल खत्म होने पर वार्ता में मांगों का हिसाब होता है, लेकिन मरीज का इंतजार, मजदूरों का नुकसान, रूका कारोबार और बढ़ी कीमतों का हिसाब कहीं नहीं होता।

अमेरिका की डगमगाती, अस्थिर आर्थिक और विदेश नीति

ऐतिहासिक तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपतियों का कार्यकाल 1789 से शुरू होता है।अमेरिकी राष्ट्रपतियों के इतिहास में जॉर्ज वॉशिंगटन से लेकर अब तक अनेक ऐसे राष्ट्रपति हुए जिनके निर्णयों ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, युद्ध, लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था की दिशा बदल दी। क्या डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी इतिहास का सबसे असंतुलित और असमंजसपूर्ण निर्णय लेने वाला राष्ट्रपति कहा जा सकता है? इसका सही सही कारण भावनात्मक राजनीतिक टिप्पणी से नहीं, बल्कि इतिहास के दस्तावेजों, आर्थिक परिणामों, विदेश नीति और राष्ट्रपति के निर्णयों की निरंतरता के आधार पर तलाशना होगा। वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 45वें और 47वें राष्ट्रपति हैं। उनके दो कार्यकाल लगातार नहीं रहे, इसलिए राष्ट्रपति पद की संख्या 47 है, जबकि अलग-अलग व्यक्तियों की संख्या 45 रही है। इसकी वजह 22वें राष्ट्रपति ग्रेोवर क्लीवर्लैंड हैं, जिन्होंने दो अलग अलग लगातार कार्यकाल पूरे किए और इसीलिए उन्हें 22वें तथा 24वें राष्ट्रपति के रूप में गिना जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व अमेरिकी राष्ट्रपति पद की पारंपरिक शैली से अलग रहा है। उनका राजनीतिक उदय भी पारंपरिक प्रशासनिक या सैन्य पृष्ठभूमि से नहीं, बल्कि व्यवसाय और सार्वजनिक संचार की आक्रामक शैली से हुआ। 2017 में उनके पहले कार्यकाल की शुरुआत से ही अमेरिका फर्स्ट उनकी विदेश और आर्थिक नीति का प्रमुख सूत्र बना। व्यापार, आइजन, नाटो, चीन, ईरान, रूस और यूरोप के साथ संबंधों में उन्होंने लंबे समय से चली आ रही अमेरिकी नीतियों को चुनौती दी। उनके समर्थक इसे स्थापित व्यवस्था के विरुद्ध निर्णायक नेतृत्व मानते रहे, जबकि आलोचक इसे नीति-अनिश्चितता और संस्थागत परंपराओं से टकराव के रूप में देखते रहे।

आर्थिक नीति के क्षेत्र में ट्रंप के पहले कार्यकाल का महत्वपूर्ण पक्ष 2017 का टैक्स कट एन्ड जॉब्स एक्ट था। उनके प्रशासन ने कॉरपोरेट टैक्स में बड़ी कटौती की और विनियमन कम करने को आर्थिक विकास का साधन बनाया। प्रशासन की अपनी आधिकारिक व्याख्या में इन नीतियों को रोजगार, निवेश और आर्थिक विस्तार से जोड़ा गया है। लेकिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था को केवल राष्ट्रपति की नीतियों का परिणाम मानना भी ऐतिहासिक रूप से सही नहीं होगा। व्याज दरें, फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति, वैश्विक व्यापार, तकनीकी परिवर्तन और महामारी जैसे कारक भी आर्थिक परिणामों को प्रभावित करते हैं।

ट्रंप की आर्थिक नीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू संरक्षणवाद रहा। चीन के साथ व्यापार युद्ध ने अमेरिकी आर्थिक नीति को दशकों की मुक्त व्यापार-यधान दिशा से हटाकर शुल्क आधारित रणनीति की ओर मोड़ा।कीसल आन फॉरेन रीलेसन के अनुसार ट्रंप प्रशासन ने अपने पहले कार्यकाल में चीन के लगभग आधे आयात पर शुल्क लगाए और चीन ने अमेरिकी आयात के बड़े हिस्से पर जवाबी शुल्क लगाए। समर्थकों के अनुसार इसका उद्देश्य अमेरिकी उद्योग और रोजगार की रक्षा करना था।।आलोचकों ने इसके कारण लागत बढ़ने, आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान और व्यापारिक तनाव बढ़ने की ओर ध्यान दिलाया।

उनकी दूसरी पारी में यह नीति और अधिक व्यापक हुई। 2025 और 2026 में चीन के साथ शुल्क युद्ध कई चरणों से गुजरा। 2025 में अमेरिकी और चीनी शुल्कों में तीव्र वृद्धि के

चुनौतीपूर्ण परीक्षा 1952 के आम चुनाव से शुरू होती है, जब वॉटर लिस्ट, पोलिंग बूथ, बैलट पेपर, बैलट बाक्स, मतदान कर्मी सब कुछ नये और अनाड़ी थे, कठोर जलवायु परिस्थितयां, भीमोर्लिक चुनौती में मतदाता कैसे मतदान करेगा, बूथ कर्मी कैसे मतदान कराएंगे, सब कुछ प्रयोग था, 36 करोड़ से अधिक आबादी के 17 करोड़ से अधिक 21 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं वाली 489 लोकसभा सीटों और अधिकांश राज्यों के विधान सभा के लिए हुए, 68 चरण के चुनाव में सबकुछ पहली बार करना था, 380,000 रिम पेपर से बैलट पेपर छपाई, लाखों हर उम्मीदवार के लिए अलग-अलग रंग के साढ़े सात लाख बैलट बाक्स, मतदान के बाद उंगली पर लगने वाली तीन लाख से अधिक रग्याही पैकेट, लाखों टप्पा लगाने की मुहर, सील करने का वेक्स या लाख, ढाई लाख से अधिक पोलिंग बूथ, जिनमें 27,527 बूथ महिला मतदानओं के लिए थे, लाखों मतदान अधिकारी, कर्मी, दूरदराज के संसाधनों, सुविधाओं से मुक्त इलाकों में पोलिंग पार्टी और मतदाताओं के मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए अर्थाई सड़क, पुल का निर्माण, अधिकांश मतदाताओं मे साक्षरता की कर्मी के चलते मतदाताओं को वोटिंग के प्रति प्रशिक्षण, जागरूकता अभियान, बड़ा और कड़ा काम था, पर भारत के लोगों की लोकतंत्र की ललक और जनतंत्र के जुनून से इस प्रयोगात्मक परीक्षा में भी भारत ने अव्वल आकर इस नये- नवेले जनतंत्र ने दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बना दिया। जनतंत्र के उत्सव में देश के तमाम पिछड़े, सुविधाहीन क्षेत्रों ने तो कमाल किया था,

पहले से जारी होने वाली चेतावनी बन गई हैं। बैंक हड़ताल की सूचना मिलते ही वह पैसे निकालने लगता है, बस हड़ताल की खबर आते ही दूसरा साधन खोजता है और ट्रकों की हड़ताल सुनते ही महंगा होने के डर से जरूरी सामान जुटाने लगता है। यानी नागरिक व्यवस्था से समाधान की उम्मीद छोड़, अव्यवस्था से बचने की तैयारी करने लगा है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? लोकतंत्र की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि हड़ताल के बाद कितनी मांगें मानी गईं; यह भी पूछ जाना चाहिए कि मांग और समाधान के बीच आम आदमी ने कितनी कीमत चुकाई।

मांगें बदलेंगी, हड़तालें आएंगी, पर सवाल वही रहेगा–हर संघर्ष की कीमत आम आदमी ही क्यों चुकाए? पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह, पेंशन सुधार, वेतन वृद्धि या डीजल लागत–मांगें जायज हो सकती हैं, पर समाधान बातचीत, समयबद्ध फैसलों और जवाबदेही से होना चाहिए। हड़ताल जरूरी हो तो उसकी मार न्यूनतम रखने की जिम्मेदारी तय हो। वरना चक्र वहीं रहेगा–मांग, चेतावनी, हड़ताल, जनता की परेशानी, बैठक और आश्वासन; फिर नया मुद्दा। पोस्टर, नारे और मांगें बदलेंगी, लेकिन भुगताना वही–आम आदमी। हड़ताल की सफलता सिर्फ मांगें मनवाने में नहीं, उसकी कीमत जनता पर न पड़ने में है। विरोध का अधिकार जरूरी है, पर ऐसा विरोध किस काम का, जिसमें मांग सुनी जाए और जनता भुगते?

–प्रो. आरके जैन

हैं। पहले कार्यकाल में इजराइल-अरब संबंधों में अब्राहम अकॉर्ड एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल थी। उत्तर कोरिया के साथ सीधे शिखर संवाद, चीन के साथ व्यापार वार्ता और मध्य-पूर्व में अमेरिकी नीति में परिवर्तन भी उनके कार्यकाल की प्रमुख घटनाएं थीं। दूसरी ओर, ईरान परमाणु समझौते से अमेरिका की वापसी, सहयोगी देशों के साथ तनाव और चीन के साथ व्यापार युद्ध ने अमेरिकी विदेश नीति में अनिश्चितता की धारणा को बढ़ाया।

दूसरे कार्यकाल में यह प्रश्न और अधिक गंभीर हुआ है। 2026 में ईरान के साथ युद्ध, यूक्रेन और गाजा जैसे प्रश्नों का अनसुलझा रहना तथा चीन के साथ व्यापार तनाव ने अमेरिकी विदेश नीति को अत्यधिक सक्रिय और विवादास्पद बनाए रखा है। अगस्त 2026 की रड्दर रिपोर्ट ने ट्रंप के शांतिदूत एजेंडे और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संकटों के बीच अंतर को रेखांकित किया था। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान ट्रंप ने ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई का बचाव किया और साथ ही संभावित समझौते की संभावना भी व्यक्त की।

यहीं से असमंजस की बहस जन्म लेती है। एक ओर ट्रंप का तरीका स्पष्ट रूप से दबाव बनाने, धमकी देने और फिर बातचीत की मेज पर लौटने वाला दिखाई देता है। दूसरी ओर उनके समर्थक इसे जानबूझकर अपनाई गई अधिकतम दबाव रणनीति मानते हैं। इसलिए इसे सीधे मानसिक या व्यक्तिगत असंतुलन होगा ऐतिहासिक शब्द नहीं, बल्कि राजनीतिक मूल्यांकन होगा। अधिक सटीक तथ्य अत्यधिक परिवर्तनशील, टकरावपूर्ण या परंपरागत अमेरिकी नीति से अलग हो सकते हैं।

2024 में 154 विशेषज्ञों के आकलन में अब्राहम लिंकन प्रथम, फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट द्वितीय और जॉर्ज वॉशिंगटन तृतीय रहे, जबकि डोनाल्ड ट्रंप सबसे निचले स्थान पर थे और उन्हें सबसे अधिक फ्लसीकरण वाला राष्ट्रपति भी माना गया। यह सर्वेक्षण महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे अंतिम ऐतिहासिक फैसला नहीं कहा जा सकता। राष्ट्रपति की वास्तविक ऐतिहासिक विरासत अक्सर उनके कार्यकाल समाप्त होने के कई वर्षों बाद अधिक स्पष्ट होती है। अतः अमेरिकी इतिहास में सबसे सफल आर्थिक राष्ट्रपति या सबसे सफल विदेश नीति वाला राष्ट्रपति घोषित करना भी सरल नहीं है।

रुसवेल्ट को महामंदी और न्यू डील के संदर्भ में, ट्रूमैन को द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की विश्व व्यवस्था में, आईसनहावर को शीतयुद्ध और आर्थिक स्थिरता में, रीगन को शीतयुद्ध के अंतिम चरण में और क्लिंटन को 1990 के दशक के आर्थिक विस्तार में अलग-अलग कसौटियों पर देखा जाता है। इसी प्रकार लिंकन का मूल्यांकन गृहयुद्ध और संघ की रक्षा के संदर्भ में होता है।

ट्रंप का ऐतिहासिक मूल्यांकन अभी अधूरा है, क्योंकि उनका दूसरा कार्यकाल सितंबर 2026 तक जारी है। वर्तमान आंकड़े बताते हैं कि उनकी आर्थिक नीति में तेज शुल्क वृद्धि, व्यापारिक टकराव और नीति-परिवर्तन महत्वपूर्ण तत्व हैं; वहीं विदेश नीति में चीन, ईरान, रूस-यूक्रेन, इज्राइल और मध्य-पूर्व के प्रश्न उनकी विरासत को निर्धारित करेंगे। उनके समर्थक इन्हें अमेरिकी शक्ति के अधिक आक्रामक प्रयोग के रूप में देखते हैं, जबकि आलोचक इन्हें घटनाओं को अस्थिरता और अनिश्चितता के संकेत के रूप में देखते हैं।

–संजीव गर्ग

असहमति लोकतंत्र की नियत और नियति

चाहे 8000 मील में फैला विशाल मीजो हिल रहा हो या राजस्थान का रेगिस्तान या उड़ीसा का आदिवासी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल के बिजली, पानी, सड़क से वंचित इलाके रहें हों या साउथ के समुद्री क्षेत्र, सभी जगह लोग नाचते गाते, उमंग उत्साह के साथ जनतंत्र का जश्न मनाते ऊंट, बैलगाड़ियों, नावों, टांगों, पैदल मीलों चल वोटिंग करने पहुंचे, दुनिया स्वाभ्य धी कि इतने बड़े भौगोलिक क्षेत्र में फैले अलग-अलग भाषा, धर्म, रहन-सहन, विपरीत जलवायु वाला विश्व जनसंख्या का छत्र ढाग सफलता के साथ कैसे इतने बड़े चुनाव को 45ब से अधिक मतदान के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न करा लिया? 68 चरणों में 25 अक्टूबर 1951 से 27 मार्च 1952 तक चले चुनाव में 4500 लोकसभा, विधान सभा सीटों के लिए हुई वोटिंग में 489 लोकसभा सीटें शक्ती विभिन्न राज्यों की विधान सभा सीटें थीं, कांग्रेस, कम्युनिस्ट, जनसंघ, फारवर्ड ब्लाक, अकाली दल, किसान मजदूर प्रजा पार्टी, शेड्यूल कास्ट फेडरेशन, राम राज्य परिषद, हिन्दू महासभा, जर्मीदार पार्टी, मुस्लिम लीग, रिपब्लिकन पार्टी सहित 53 से अधिक राजनैतिक दलों और निर्दलीय 1874 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रहे, 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने 45ब से अधिक मतदान किया, मतदान का प्रतिशत अगले चुनाव 1957 में 46ब और 1962 में 56ब, 1967 में 61ब का रिकार्ड बनाते भारतीय लोकतंत्र परिपक्व, प्रमाणिक, प्रगति का प्रतीक बन आगे बढ़ता रहा।

–धनंजय राजौरा

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2026 का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, अमलतास यूनिवर्सिटी, देवास में विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2026 का आयोजन बड़े उत्साह एवं उत्सास के साथ किया गया। इस वर्ष की थीम Empowering Pharmacists for Healthier Futures, अर्थात स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना रही। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका तथा समाज में औषधियों के सुरक्षित एवं उचित उपयोग के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नीलम खान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए फार्मेसी एवं स्वास्थ्य जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग हैं, जो



दवाओं के सुरक्षित एवं उचित उपयोग, रोगियों को औषधियों से संबंधित सही जानकारी प्रदान करने तथा समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर ज्ञान अर्जित करने, नवीनतम जानकारी से अपडेट रहने तथा एक जिम्मेदार एवं कुशल फार्मासिस्ट बनने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से आमजन को दवाओं के

सुरक्षित उपयोग, स्वास्थ्य जागरूकता तथा फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता एवं मॉडल प्रेजेंटेशन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता एवं विषयगत ज्ञान का प्रदर्शन करते हुए फार्मासिस्ट की भूमिका, औषधि सुरक्षा एवं स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित विभिन्न विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा Pharmacy Oath ली गई। इस शपथ के माध्यम से विद्यार्थियों ने फार्मासिस्ट के रूप में अपने कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करने तथा समाज के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

संपूर्ण आयोजन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं जागरूकता बढ़ाने वाला रहा। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को समाज एवं स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने तथा उन्हें निष्ठापूर्वक निभाने के लिए प्रेरित किया।

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया द्वारा बताया गया कि फार्मासिस्ट केवल दवाएं देने का काम नहीं करते, बल्कि वे स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ की हड्डी हैं जो मरीजों की सुरक्षा और सही उपचार सुनिश्चित करते हैं। स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना केवल इस वर्ष की थीम नहीं है, बल्कि यह हमारा प्रतिबद्ध संकल्प है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अमलतास यूनिवर्सिटी से निकलने वाले फार्मासिस्ट अपनी निष्ठा, ज्ञान और मानवीय दृष्टिकोण से समाज के स्वास्थ्य और कल्याण में उत्कृष्ट योगदान देंगे।

11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर अमलतास वृद्धाश्रम में योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय फाउंडर चेयरमैन



अमलतास रूप देवास श्री सुरेश सिंह भदौरिया एवं माननीय चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया के शुभाशीष एवं मार्गदर्शन में तथा अमलतास के डायरेक्टर डॉ. अभिजीत तायड़े सर, महाप्रबंधक डॉ. मनीष शर्मा सर एवं प्राचार्या डॉ. अनिता घोडके के विशेष मार्गदर्शन में दिनांक 18/09/2026 को 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर अमलतास हॉस्पिटल परिसर स्थित अमलतास वृद्धाश्रम में सुस्वास्थ्य एवं योग विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य

वृद्धाश्रम के निवासियों को स्वस्थ, सक्रिय एवं संतुलित जीवनशैली के प्रति जागरूक करना तथा योग एवं आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण का संदेश देना था।

कार्यक्रम में स्वास्थ्यवृत्त एवं योग विभाग के प्रोफेसर डॉ. नानासो बोडके ने वरिष्ठ नागरिकों को आयुर्वेदिक दिनचर्या, ऋतुचर्या, संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नियमित

दिनचर्या अपनाने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेण्मा शेख ने वृद्धावस्था में पोषण, प्राकृतिक आहार, जीवनशैली प्रबंधन तथा आयुर्वेदिक उपायों से संबंधित उपयोगी जानकारी साझा की और वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

योग प्रशिक्षक उर्वशी यादव ने वरिष्ठ नागरिकों की आयु एवं क्षमता के अनुरूप सरल योगाभ्यास कराया। इसमें प्राणायाम, श्वसन अभ्यास, सूक्ष्म व्यायाम एवं ध्यान आदि का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया।

विश्व श्रवण सप्ताह के तहत सीहोर जिले में सजगता शिविर आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय बधिरता रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत सीहोर जिले में 21 से 27 सितम्बर 2026 तक अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह एवं विश्व श्रवण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य समुदाय से लेकर स्कूलों तक हर वर्ग में कानों की सुरक्षा एवं श्रवण दोष के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, ताकि सुनने की समस्या के कारण कोई भी बच्चा पीछे न छूटे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेरिया ने बताया कि जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में नवजात शिशुओं की प्रारंभिक श्रवण जांच पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जन्म के शुरुआती चरण

में श्रवण संबंधी समस्या की पहचान होने से बच्चों का उपचार एवं पुनर्वास अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। साथ ही बुजुर्गों एवं अधिक शोर-शराबे वाले वातावरण में कार्य करने वाले नागरिकों के लिए भी विशेष जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

ENT OPD कक्ष क्रमांक 105 में विशेष सेवाएं - बार-बार पृष्ठने की जरूरत पड़ना, टीवी/रेडियो की आवाज तेज करके सुनना अथवा बातचीत समझने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत श्रवण जांच कराने की सलाह दी गई है। कान में दर्द, मवाद बहना अथवा रक्तस्राव की स्थिति में जिला चिकित्सालय सीहोर के ENT OPD कक्ष क्रमांक 105 एवं श्रृङ्खल में

विशेषज्ञ चिकित्सकों से उचित उपचार प्राप्त किया जा सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि बिना चिकित्सकीय सलाह के कान में किसी भी प्रकार की दवा या बाहरी वस्तु न डालें।

दिव्यांगजनों को मिलेगा निःशुल्क सहायक उपकरण- अभियान के अंतर्गत चिह्नित श्रवण बाधित दिव्यांगजनों को ,श्रृङ्खल योजना के माध्यम से निःशुल्क सहायक उपकरण (हियरिंग एड) उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए जिला अस्पताल स्तर पर दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाने की प्रक्रिया भी सुगम की गई है।

60/60 नियम अपनाने की अपील- श्रवण

सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा 60/60 नियम अपनाने की सलाह दी गई है।

इसके तहत ईयरफोन का उपयोग अधिकतम 60 प्रतिशत वॉल्यूम पर 60 मिनट तक करने की सलाह दी गई है। साथ ही श्रवण बाधितजनों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और उनके साथ आमने-सामने स्पष्ट संकेतों के माध्यम से सम्मानपूर्वक संवाद करने की अपील की गई है। सीएमएचओ डॉ. डेरिया ने जिलेवासियों से अपील की है कि 21 से 27 सितम्बर 2026 तक आयोजित शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रवण संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें।

गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे के साथ में किया बाबा का विसर्जन



तालाब पर सुबह से कई नहे मुने बच्चों द्वारा भी विसर्जन की व्यवस्था कराई गई थी और प्रशासन के लोग भी सुबह से रहे जिससे कोई अनहोने ना हो

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल अनमोल रूप द्वारा 10 दिवसीय गणेश उत्सव में महिला संगीत जागरण कीर्तन 56 भोग सवा कुटल लड्डी की प्रसादी वितरण फूल डोल ग्यारस को झांकी अखाड़े व बैड वाले को पुरस्कार देना कन्या भोज के बाद आज बड़े धूमधाम से विसर्जन किया 3*00 बजे बाबा की आरती कर ढोल धमाके के साथ में बेछवन तालाब चामुंडा माता मंदिर पर विसर्जन किया और गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे के साथ में बाबा को विदाई दी बेछवन

भी विसर्जन किए गए प्रशासन द्वारा सुबह से ही वहां पर विसर्जन की व्यवस्था कराई गई थी और प्रशासन के लोग भी सुबह से रहे जिससे कोई अनहोने ना हो

सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत पीढ़ी संवाद कार्यक्रम में छात्राओं की सहभागिता

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कन्या महाविद्यालय, सीहोर में सेवा संकल्प कार्यक्रम का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 25 सितंबर 2026 को संकल्प वृद्धाश्रम, सीहोर के विशेष अग्रह पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला सीहोर के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय संकल्प पीढ़ी संवाद-अनुभव से भविष्य की ओर कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी एवं वरिष्ठजनों के मध्य संवाद स्थापित करना तथा वरिष्ठजनों के जीवन-अनुभवों, संघर्षों और ज्ञान से विद्यार्थियों को परिचित कराना था। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने संकल्प वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठजनों से आत्मीय संवाद किया और



उनके जीवन के अनुभवों को जाना।

कार्यक्रम में छात्राओं ने वरिष्ठजनों के साथ समय बिताते हुए उनके विचारों एवं अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना। इस संवाद से छात्राओं को यह समझने का अवसर मिला कि वरिष्ठजन अपने जीवन के अनुभवों के माध्यम से युवा पीढ़ी को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में वरिष्ठजनों के अनुभव एवं मार्गदर्शन को विशेष महत्व दिया गया है। युवा पीढ़ी और

भावना एवं वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। अनुभव से भविष्य की ओर की अवधारणा के माध्यम से छात्राओं ने वरिष्ठजनों के अनुभवों से सीखने और उन्हें सम्मान देने का संदेश प्राप्त किया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों में सेवा-भावना, मानवीय संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा भारतीय जीवन-मूल्यों को विकसित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

वरिष्ठजनों के बीच संवाद हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करता है तथा विद्यार्थियों में सेवा, सम्मान और संवेदनशीलता की भावना विकसित करता है।

कार्यक्रम में प्राध्यापकों ने भी सक्रिय सहभागिता करते हुए छात्राओं को सामाजिक उत्तरदायित्व, सेवा-भावना एवं वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। अनुभव से भविष्य की ओर की अवधारणा के माध्यम से छात्राओं ने वरिष्ठजनों के अनुभवों से सीखने और उन्हें सम्मान देने का संदेश प्राप्त किया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों में सेवा-भावना, मानवीय संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा भारतीय जीवन-मूल्यों को विकसित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

दिव्यांगजन एवं निशक्तजनों के रोजगार और उज्जवल भविष्य के लिए किये गये कार्यक्रम

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस , चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीहोर के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 16 सितम्बर से 23 सितम्बर तक दिव्यांगजन एवं निशक्तजनों के रोजगार, कौशल विकास, आत्मनिर्भरता एवं उज्जल भविष्य को समर्पित सप्ताहभर जागरूकता एवं जानकारीपरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन आज दिनांक 25-09-2026 को महाविद्यालय के प्राचार्य एवं विशेष वक्ता डॉ. रोहितारव कुमार शर्मा ने कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को दिव्यांगजनों के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा



संचालित विभिन्न योजनाओं, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों, कौशल प्रशिक्षण तथा सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, दिव्यांग पुनर्वास केंद्र एवं अस्पताल का भ्रमण कर दिव्यांगजनों के उपचार, पुनर्वास एवं सहायता सेवाओं की व्यावहारिक जानकारी भी विद्यार्थियों को दी गई। गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) द्वारा दिव्यांगजनों के

सशक्तिकरण, शिक्षा, प्रशिक्षण एवं रोजगार के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. रोहितारव कुमार शर्मा ने अपने वक्तव्य में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता,

समान अवसर, सामाजिक समावेशन एवं आत्मनिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को दिव्यांगजनों के अधिकारों, शासकीय योजनाओं और रोजगार के अवसरों की जानकारी समाज के जरूरतमंद वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उचित मार्गदर्शन, कौशल विकास एवं सहयोग के माध्यम से दिव्यांगजन सम्मानजनक

और स्वावलंबी जीवन की ओर आगे बढ़ सकते हैं। सप्ताहभर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के साथ-साथ उन्हें रोजगार प्रशिक्षण एवं सामाजिक स्तर पर राज्य एवं केन्द्र सरकार के स्तर पर, स्वसहायता समूहों के स्तर पर सामाजिक सहयोग की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना रहा। यह पहल दिव्यांगजनों को समान अवसर उपलब्ध कराने और उन्हे समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक प्रयास रहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापको डॉ.सुमन रोहिला, डॉ.एस.सी. गुप्ता, डॉ. आशिष एजाज, डॉ. वरवडे एवं अन्य स्टाफ के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. तिमोथियस एक्का के द्वारा किया गया।

बाल उड़ान शिक्षा एवं संस्कार का संगम कार्यक्रम संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर द्वारा जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की शिक्षा, संस्कार एवं सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से बाल उड़ान शिक्षा एवं संस्कार का संगम कार्यक्रम का आयोजन महर्षि सांदिपनि विद्यालय, सी.एम. राइज, शाजापुर में किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर श्री आनंद कुमार तिवारी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें अच्छे संस्कार, जीवन-मूल्यों एवं विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कलेक्टर सुश्री ऋषा बाफना ने संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि आर्थिक परिस्थितियां बच्चों की शिक्षा में बाधा नहीं बननी चाहिए तथा समाज के संघम वर्ग को जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। विशेष अतिथि प्रिंसिपल अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला ने अपने उद्बोधन में बच्चों को अनुशासन, सुरक्षा एवं अच्छे संस्कारों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपने माता-पिता, शिक्षक अथवा संबंधित अधिकारियों से सहायता प्राप्त करें। उन्होंने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विशेष अतिथि श्री करण सिंह गुर्जर, अध्यक्ष,



जिला अभिभाषक संघ शाजापुर ने बच्चों की शिक्षा के लिए समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा किए जा रहे सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग देना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार एवं विधिक जानकारी मिलना उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर श्री आनंद कुमार तिवारी ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य केवल विधिक सहायता उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्गों तक पहुंचकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। उन्होंने कहा कि बाल उड़ान पहल के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग प्रदान करें उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन एवं जीवन-मूल्यों को अपनाने तथा अपने भविष्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शाजापुर की सचिव श्रीमती नमिता बौरासी द्वारा बताया गया कि जिला न्यायालय,

शाजापुर के न्यायाधीशगण एवं अभिभाषक संघ, शाजापुर द्वारा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए कुल 2,18,000 की राशि एकत्रित की गई है। उक्त राशि से चिह्नित जरूरतमंद बच्चों को किताबें, स्टेशनरी, जूते एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जानी है। बच्चों का चिन्ता नमिल जिला शिक्षा अधिकारी शाजापुर के माध्यम से किया गया है।

कार्यक्रम में बच्चों को शिक्षा के महत्व, संस्कार, जीवन-मूल्यों एवं विधिक अधिकारों के संबंध में जानकारी दी गई तथा उन्हें अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करने एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम की रूपरेखा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती नमिता बौरासी द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिखा शर्मा द्वारा किया गया तथा आभार श्रीमती प्रेमलता जितेन्द्र गोयल, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी/जिस्ट्रार, जिला न्यायालय, शाजापुर द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण, अधिकारीगण, अधिकारगण, कर्मचारीगण, ऋष्टि के सहायक स्टाफ, विद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अन्य संबंधितजन उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि बाल उड़ान शिक्षा एवं संस्कार का संगम पहल का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनना तथा उन्हें शिक्षा, संस्कार और विधिक जागरूकता से जोड़ना है।

अनंत चौदस पर गणपति बप्पा को दी भावपूर्ण विदाई, मनेनी नदी में किया विसर्जन

12 से 15 गांवों से पहुंचे श्रद्धालु, पुलिस व नगर परिषद की टीम ने संभाली व्यवस्था

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनंत चौदस के पावन अवसर पर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में गणेश उत्सव का समापन श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ। गणपति पंडालों में विराजित भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को श्रद्धालु ढोल-ढमाकों और जयकारों के साथ विसर्जन के लिए लेकर मनेनी नदी के पावन तट पर पहुंचे। नदी तट पर गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के बीच विधि-विधान से प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। बड़ावदा सहित आसपास के करीब 12 से 15 गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मनेनी नदी के तट पर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। विसर्जन के दौरान नदी



तट पर भक्तिमय माहौल बना रहा। गणेश उत्सव के दौरान कई दिनों तक पंडालों में भगवान गणेश की आराधना करने के बाद श्रद्धालुओं ने नम आंखों से बप्पा को विदाई दी। प्रतिमा विसर्जन के समय श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष फिर से आने का आह्वान करते

हुए गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे लगाए।

पुलिस ने संभाली व्यवस्था- विसर्जन के दौरान सुस्खा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर बड़ावदा थाना पुलिस एवं सरसी चौकी पुलिस की टीम भी मुस्तैद रही। बड़ावदा थाना से जगदीश कुमावत, देव्राम चौकीदार, प्रभुलाल, नंदू सहित पुलिसकर्मियों ने नदी तट पर व्यवस्थाओं में अपनी सेवाएं दीं। वहीं सरसी चौकी से केपी सहित पुलिसकर्मी भी व्यवस्था में तत्पर रहे।

पुलिस टीम ने श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने के साथ ही विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया।

नगर परिषद की टीम ने भी संभाली जिम्मेदारी- विसर्जन स्थल पर नगर परिषद बड़ावदा की टीम ने भी अपनी सेवाएं दीं। नगर

परिषद की ओर से रवि लावरे, दशरथ मालीवाड़, जीतू चावरे, कुशाल बामनिया, कृष्णा राठौर, नाथू तलोदिवा, लखन नकवाल, सुनील डोडिया, हर्षित मालवीय, योगेश चावरे और सोनू नकवाल सहित कर्मचारियों ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

नगर परिषद एवं पुलिस प्रशासन की टीम की मौजूदगी में विसर्जन प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं की आवाजाही और प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान कर्मचारियों ने लगातार अपनी सेवाएं देते हुए व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया।

गणपति विसर्जन के साथ ही नगर में कई दिनों से चल रहे गणेशोत्सव का समापन हुआ। श्रद्धालुओं ने भक्ति और भावनाओं के साथ बप्पा को विदाई दी और अगले वर्ष फिर से गणपति स्थापना की तैयारियों का संकल्प लिया।

नागदा में आंगन मिलन सेवा अभियान की तैयारी शुरू, सेक्टर स्तर पर कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नागदा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशव्यापी आंगन मिलन सेवा अभियान चलाया जा रहा है यह अभियान 26 सितंबर से 05 अक्टूबर 2026 तक प्रदेश के सभी 97 हजार 882 आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयोजित होगा विभाग ने इसका थीम हर आंगन - सेवा, पोषण और सम्मान का केंद्र बने रखा है। यह सेवा संकल्प अभियान 2.0 के तहत आयोजित हो रहा कार्यक्रम अधिकारी ब्रजेश त्रिपाठी के आदेशानुसार और परियोजना अधिकारी मुकेश वर्मा के मार्गदर्शन में* नागदा परियोजना में इसकी तैयारी शुरू हो गई है। प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर तीन दिवसीय



कार्यक्रम होगा। जिले स्तर पर इसे तीन चरणों में विभाजित किया गया है प्रथम चरण 26 से 28 सितंबर, द्वितीय चरण 29 सितंबर से 1 अक्टूबर और तृतीय चरण 2 से 05 अक्टूबर तक चलेगा कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रों पर वृक्षारोपण (मु न ग।/सहजन), र्व चछता अभियान, बच्चों की आनंदमयी गतिविधियां, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन और

कार्यकर्ता, सहायिका व आशा कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा तीसरे दिन मेरी कहानी, मेरी सफलता थीम पर लाभार्थी महिलाओं द्वारा अपने अनुभव साझा किए जाएंगे। इस दौरान लाइली बहना, लाइली लक्ष्मी, मातृ वंदना,टेक होम राशन जैसी योजनाओं के हितग्राहियों की सफलता की कहानियां दिखाई

जाएंगी अभियान के तहत 27 सितंबर को मन की बात का सभी केंद्रों पर श्रवण भी कराया जाएगा इसी क्रम में सेक्टर पर्यवेक्षक शोभना कनेरे,नीता सुयल राहत खान टीना बैरागी द्वारा नागदा परियोजना की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सेक्टर स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

राज्य स्तरीय फ्री स्टाइल कुश्ती में खाचरोद की बेटियों का शानदार प्रदर्शन



नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेल जगत में खाचरोद के लिए गर्व की खबर सामने आई है। शहर की दो होनहार बेटियों ने राज्य स्तरीय फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

राज राजेंद्र स्कूल की कक्षा 9वीं की छात्रा आर्या बूंदीवाल एवं सांदीपनी उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा दिव्यांशी शिंदे ने कोच डॉ. श्याम सिंह चंद्रावत के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण में प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दोनों छात्राओं ने कड़ी मेहनत, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के बल पर शानदार प्रदर्शन किया। उनकी इस उपलब्धि से दोनों विद्यालयों सहित पूरे खाचरोद क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

इस सफलता में छात्राओं के माता-पिता, कोच डॉ. श्याम सिंह चंद्रावत एवं विद्यालय परिवार के सहयोग और प्रोत्साहन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यालय परिवार ने दोनों छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नागदा जर्नालिस्ट क्लब ने भी आर्या बूंदीवाल एवं दिव्यांशी शिंदे की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए दोनों खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों, कोच एवं विद्यालय परिवार को बधाई दी। क्लब ने कहा कि दोनों बेटियों की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल कर आर्या और दिव्यांशी ने खाचरोद का मान बढ़ाते हुए क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।

राज्यस्तरीय वृश्च प्रतियोगिता में श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल आलोट का शानदार प्रदर्शन



प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय के प्रतिभावान खिलाड़ी छोटू रावत एवं भाविका जैन ने वृश्च प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किए।

दोनों खिलाड़ियों ने -75 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज की। इसके पश्चात सेमीफाइनल मुकाबले में भी दोनों खिलाड़ियों ने पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन एवं उत्कृष्ट तकनीकी कौशल के साथ मुकाबला किया और अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर कांस्य पदक हासिल किया।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि में क्रीड़ा शिक्षक श्री शिवरादित्य सिंह डोडिया के निरंतर मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं मेहनत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष और उत्साह का माहौल है। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन ने दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यालय के विद्यार्थी खेल के क्षेत्र में निरंतर नई उपलब्धियां हासिल कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करते रहें।

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 70वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल आलोट के खिलाड़ियों ने शानदार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। वन्दे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में विद्या भारती के देशव्यापी अभियान 'नमामि भारतम्' के तहत शुक्रवार को सरस्वती विद्या मंदिर उ.मा.वि., बड़नगर के शिक्षक कॉलोनी परिसर में सामूहिक वन्दे मातरम् गायन हुआ। ठीक सुबह 11 बजे विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, पूर्व विद्यार्थियों और समाजजनों ने 'एक समय-एक स्वर-एक लय' में सम्पूर्ण वन्दे मातरम् का गायन किया। सामूहिक स्वर से विद्यालय परिसर राष्ट्रभाव से गुंजायमान हो उठा।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम देशभर में 25 हजार से अधिक स्थानों पर एक साथ हुए 'नमामि भारतम्' अभियान की कड़ी रहा। अभियान में एक करोड़ से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं नागरिकों की सहभागिता का लक्ष्य रखा गया। आयोजकों के अनुसार सर्वाधिक विद्यार्थियों एवं जनसमुदाय द्वारा एक साथ वन्दे मातरम् गायन के इस अभियान को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रमाणिकरण के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जितेन्द्र उदय सिंह पंड्या ,विशिष्ट अतिथि



अनुविभागीय अधिकारी धीरेन्द्र पाराशर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस महेंद्र सिंह परमार, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राहुल विश्वकर्मा, कार्यक्रम के साक्षी के रूप में सांदीपनी विद्यालय के प्राचार्य कृष्णदास बैरागी, महिला एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अशोक गोधा,सरफाा व्यवसायी मुख्य वक्ता राजकुमार पोरावाल, कार्यक्रम संयोजक संस्था सचिव आशीष शुक्ला, बीआरसी प्रवीण शर्मा,संस्था प्राचार्य देवेन्द्रप्रसाद शर्मा मंचासीन थे।

वन्दे मातरम् ने जगाई राष्ट्रीय चेतना - श्री पंड्या- मुख्य अतिथि विधायक पंड्या ने वन्दे



मातरम् के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में देशवासियों में राष्ट्रीय चेतना और मातृभूमि के प्रति समर्पण का भाव जगाया। उन्होंने कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी पॉक का उल्लेख करते हुए भारत की सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय चेतना की बात कही।

मुख्य वक्ता राजकुमार पोरावाल ने कहा कि वन्दे मातरम् के 150 वर्ष देश के स्वतंत्रता सघर्ष, त्याग और राष्ट्रीय स्वाभिमान की गौरवपूर्ण यात्रा का स्मरण कराते हैं। स्वतंत्रता आंदोलन में यह गीत त्राह्णिकारियों और देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्वर बना।

उन्होंने विद्यार्थियों से इसके इतिहास और राष्ट्रीय महत्व को जानने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों के साथ समाजजन भी हुए शामिल- कार्यक्रम में महिला एवं बाल कल्याण समिति के अरविन्द माहेश्वरी, प्रो. लक्ष्मण चेलानी, सत्यनारायण पंचाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिता वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष नवीन राठौड़, रवि हिंडोलिया, थाना प्रभारी कमलेश्वर सिंधार, पूर्व ख़ात्र डॉ. मधुसूदन सिंह राजावत, संकुल प्राचार्य राधेश्याम परमार सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, पूर्व विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया नमामि भारतम् कार्यक्रम की भूमिका प्राचार्य देवेन्द्र प्रसाद शर्मा ने रखी। अतिथि परिचय उप प्राचार्य हिममत सिंह सिसौदिया ने कराया और स्वागत संस्था सचिव आशीष शुक्ला ने किया। कार्यक्रम संबंधी जानकारी एवं एकल गीत की प्रस्तुति योगेश जोशी ने दी। सचिव आशीष शुक्ला ने आभार माना। सामूहिक गायन के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। उक्त जानकारी योगेश जी जोशी ने दी।

21 उपवास की कठिन तपस्या से बड़ी धर्मशासन की शोभा

तपस्वी निलेश चपलोट की आराधना की समाजजनों ने की अनुमोदना

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आचार्य प्रवर 1008 पूज्य श्री रामलालजी म.सा., तप प्रेक बहुश्रुत वाचनाचार्य परम पूज्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनिजी म.सा., शासनदीपिका महासती श्री चारित्रप्रभाजी म.सा., श्री सरोज श्रीजी म.सा. एवं श्री जलज श्रीजी म.सा. के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से चपलोट परिवार के निलेश चपलोट 21 उपवास की कठिन तप आराधना कि और अग्रसर है आत्मसाधना एवं संयम की प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत की है।

तप, त्याग और संयम जैन धर्म की साधना परंपरा के महत्वपूर्ण आधार हैं। इसी आध्यात्मिक परंपरा की आगे बढ़ाते हुए चपलोट परिवार के निलेश चपलोट द्वारा 21 उपवास की तप आराधना 28/9/26 को पूर्ण कर धर्मशासन की शोभा में अभिवृद्धि करेंगे। निरंतर उपवास के साथ की गई यह साधना आत्मबल, दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक समर्पण का परिचायक है।

तपस्वी निलेश चपलोट की इस उल्लेखनीय तपस्या



से चपलोट परिवार सहित समाज में हर्ष एवं आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है। तपस्या के दौरान परिवारजनों एवं समाजजनों ने तपस्वी का उत्साहवर्धन किया तथा उनकी आराधना की अनुमोदना की।

21 उपवास की तपस्या केवल आहार का त्याग नहीं, बल्कि मन, वचन और काया को साधते हुए आत्मचिंतन एवं आत्मशुद्धि की दिशा में बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। तपस्वी निलेश चपलोट ने अपनी दृढ़ साधना से युवा पीढ़ी के लिए भी संसम, अनुशासन और धर्म आराधना का प्रेरणादायी संदेश दिया है।

तप की पूर्णाहुति सोमवार, 28 सितंबर 2026 को होगी। कार्यक्रम में समाजजन एवं श्रद्धालुजन

उपस्थित होकर तपस्वी निलेश चपलोट की तपस्या की अनुमोदना करेंगे।

चपलोट परिवार की ओर से आयोजित इस मंगल अवसर पर सभी समाजजनों से उपस्थित होकर तपस्वी का उत्साहवर्धन करने एवं परिवार की खुशियों में सहभागी बनने का आग्रह किया गया है। तप की यह आराधना परिवार के लिए गौरव और समाज के लिए प्रेरणा का अवसर बनी है।

जनपद खाचरोद की पंचायत में भ्रष्टाचार का बोलबाला, लाखों की राशि निकाली लेकिन भवन निर्माण हुआ नहीं

सरपंच-सचिव के खिलाफ धारा 89 में प्रकरण दर्ज



गाम पंचायत बरखेड़ा नजीक में बंजारा बस्ती के लिए स्वीकृत सामुदायिक भवन निर्माण को लेकर सामने आई शिकायत ने पंचायत के कामकाज को कठघरे में खड़ा कर दिया हैं। शिकायत के दस्तावेजों के अनुसार, बंजारा बस्ती में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख? रुपए की राशि स्वीकृत थी, जबकि पंचायत दर्पण पोर्टल के

माध्यम से 17 लाख 320 रुपए का भुगतान होना दर्ज पाया गया। शिकायत में आरोप था कि भुगतान होने के बावजूद मौके पर निर्माण कार्य शुरू तक नहीं हुआ था।

शिकायत के बाद जनपद पंचायत खाचरौद के उपयंत्री एवं सहायक यंत्री से स्थल निरीक्षण कराया गया। निरीक्षण में शिकायत सही पाई गई। जिला पंचायत उज्जैन के प्रतिवेदन में भी उल्लेख है कि शिकायत दिनांक 8 अगस्त 2026 तक मौके पर बंजारा बस्ती में एक ईंट तक नहीं रखी गई थी और स्थान खाली पड़ा था।

मामले में ग्राम पंचायत बरखेड़ा नजीक की सरपंच अनिता राठौर और पंचायत सचिव आशाराम बोड़ाना को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया। निर्धारित तिथि पर प्रस्तुत जवाब एवं साक्ष्य को संतोषजनक नहीं पाए जाने के बाद दोनों के

विरुद्ध कार्रवाई आगे बढ़ाई गई।

दस्तावेजों के मुताबिक, मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 89 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं जनपद पंचायत खाचरौद की ओर से सचिव को निर्लांबित करने तथा सरपंच को पद से पृथक करने की कार्रवाई का प्रस्ताव भी जिला स्तर पर भेजा गया है। राशि भुगतान में किस किस की जवाबदेही तय होगी।

मामले में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब निर्माण स्थल पर काम शुरू तक नहीं हुआ, तो स्वीकृत राशि से कहीं अधिक राशि का भुगतान किस आधार पर दर्ज हुआ? इस पूरे मामले में भुगतान की प्रक्रिया, जिम्मेदारी तय करने और शासकीय राशि के उपयोग की जांच पर निगाहें टिकी हैं।

मॉनिटरिंग की जवाबदेही किसकी, उन पर कार्यवाही क्यों नहीं- आक्षेप यह है कि

किसी भी सरकारी भवन के निर्माण की बाकायदा मॉनिटरिंग की जाती है। निर्माण के चरण पूरे करने पर राशि जारी की जाती है, जिम्मेदार अधिकारी निर्माण और उसकी गुणवत्ता के अलावा स्वीकृत प्लान के अनुसार काम हुआ है अथवा नहीं, हर चीज परख कर ही राशि जारी करते है, मगर यहाँ तो एक ईंट भी नहीं लगी और 20 लाख के भवन में 17 लाख का भुगतान हो गया, आखिर कैसे...? जवाबदार और जवाबदेही जिनकी है, उन पर कार्यवाही क्यों नहीं..?

जनपद सिईओ गिरांज शर्मा ने बताया कि मेरे आने के बाद लापरवाही पर लगाम लगी है भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही हेतु जिला अधिकारी को पहुंचाया जाता है, बरखेड़ा नजीक में भी जांच सही पाए जाने पर जिला? पंचायत कार्यालय पर कार्यवाही प्रस्तावित कर भेजी है।

मदाना में हर्षोल्लास से मनाया 11वां राष्ट्रीय आयुर्वेदिक दिवस



अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम मदाना स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) एवं आयुर्वेदिक अस्पताल द्वारा 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेदिक दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन जिला आयुष अधिकारी डॉ. गिरांज बाथम के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया।

इस अवसर पर भगवान धन्वंतरि की स्तुति भी गाई गई। इस वर्ष की थीम स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद के तहत ग्रामीणों को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक किया गया। स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति, संतुलित आहार-विहार, नियमित दिनचर्या तथा रोगों से बचाव के संबंध में स्वास्थ्य परामर्श प्रदान करना रहा। ग्रामीणों को दैनिक जीवन में आयुर्वेदिक सिद्धांतों को अपनाने, संतुलित आहार लेने और नियमित दिनचर्या के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अमिल कुमार मालवीय, एएनएम श्रीमती अनीता भदौरिया, योग प्रशिक्षक दिनेश कुमार बाघेला, योग सहायक मुकेश मेवाड़ा सहित ग्राम मदाना के अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि आयुर्वेद हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति है और प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेदिक सिद्धांतों एवं प्राकृतिक जीवनशैली को अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताद्रेकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन दर्शन के लिए अक्टूबर से दौड़ेंगी 20 एसी बसें

एक पास से पूरे दिन कर सकेंगे सफर- 32 सीटर बसों में लाइव ट्रैकिंग और सीसीटीवी की सुविधा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने के लिए अक्टूबर से 20 एसी बसें शुरू की जाएंगी। 32 सीटर इन बसों में श्रद्धालुओं को आरामदायक सफर के साथ कई आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। बसों में लाइव ट्रैकिंग सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे यात्री मोबाइल पर बस की लोकेशन देख सकेंगे और उन्हें बस के इंतजार में खड़े नहीं रहना पड़ेगा।

बस सेवा के लिए मोबाइल एप भी शुरू किया जाएगा। इसी एप के माध्यम से यात्री टिकट बुक कर सकेंगे। खास बात यह है कि टिकट एक यात्रा के बजाय पूरे दिन का पास होगा। यानी श्रद्धालु 20 में से किसी भी बस में दिनांश सफर कर सकेंगे।

शनि मंदिर से शुरू होगा सफर- प्रस्तावित बस सेवा की शुरुआत शनि मंदिर से होगी। इसके बाद श्रद्धालुओं को महाकाल मंदिर, हरसिद्धि मंदिर, रामघाट, भूछी माता मंदिर, ऋषभकुंश्वर महादेव, काल भैरव, विक्रांत

पत्नी ने लगाई फांसी खबर मिलने पर भाग पति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में महिला ने फांसी लगा ली पति को खबर लगी तो वह भाग निकला आज सुबह तक वह नहीं लौटा था मामला पति-पत्नी के बीच विवाद का होना सामने आया है पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर जांच शुरू की है।

पंवासा क्षेत्र के ग्राम मोरु खेड़ी में रहने वाली कविता पति शिव शंकर चंदेल 28 वर्ष ने रात को दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी। पिता धर्मेन्द्र ने बेटी को फंदे पर लटका देखा। कविता के बच्चों ने पिता को सूचना दी लेकिन वह भाग निकला और वापस नहीं लौटा। हां सुबह पोस्टमार्टम के दौरान कविता के पिता धर्मेन्द्र ने बताया कि कविता की शादी कुछ साल पहले देवास जिले के ग्राम अमोना में की गई थी लेकिन दामाद 4 साल पहले घर जमाई बन गया था और उज्जैन में ही मजदूरी कर रहा था कविता दो बच्चों की मां थी जिसका पति से आए दिन विवाद होता था पति द्वारा मारपीट भी की जाती थी।

पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सोपा गया है पति की तलाश की जा रही है वह अंतिम संस्कार के पहले तक नहीं आया था। कविता के परिजनों के बयान दर्ज कर जमाई के नहीं लौटने पर एक टीम उसकी तलाश में देवास भेजी जाएगी वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर कविता की मौत का कारण भी स्पष्ट हो जाएगा।

बाइक को लोडिंग वाहन ने मारी टक्कर, युवक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात को बाइक सवार युवक को लोडिंग वाहन ने टक्कर मार दी दुर्घटना में बाइक चला रहे युवक की मौके पर मौत हो गई। उसके पास मिले दस्तावेजों से पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। भैरगढ़ क्षेत्र का रहने वाला कालू पिता हेमा 32 वर्ष चालक था और मंगरोला में रहने वाले दरबार का डेंपर चलता था। रात में वह डंपर खड़ा करने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहा था ग्राम गोयला और ढाबला के बीच तेज गति से आए लोडिंग वाहन 407 में उसकी बाइक को टक्कर मार दी गंभीर रूप से घायल हुआ कालू सड़क पर पड़ा रहा कुछ देर बाद एंबुलेंस पहुंची और उसे चरक अस्पताल लाया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मामले में दुर्घटना का प्रकरण दर्ज करने के साथ मर्ग कायम कर शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम कराया है। खारा कुआं थाना क्षेत्र के योगे माया माता मंदिर के सामने होटल स्वागत पैलेस में शंकरलाल पिता संतोष चौहान 28 वर्ष मृत अवस्था में मिला उसे होटल संचालक और साथी अस्पताल लेकर पहुंचे। बताया जा रहा है कि युवक ने फांसी लगाई थी पुलिस ने रात में मर्ग कायम कर लिया था शुक्रवार सुबह मामले की जांच शुरू की गई है पोस्टमार्टम के दौरान मृतक के फोटोग्राफ कराए गए हैं। जानकारी सामने आई है कि मृतक होटल संचालक का साला था और होटल में ही काम करता था उसने आत्मघाती कदम क्यों उठाया यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

हीरा मिल कुंड में छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन, बड़ी प्रतिमाएं केडी पैलेस पहुंचाई

8 घाटों पर 12 सजे विसर्जन रथ रहे तैनात, क्रैन और जेसीबी से बड़ी प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अनंत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए नगर निगम ने शहर के 8 घाटों पर 12 विसर्जन रथ तैनात किए। फूलों से सजे इन रथों में श्रद्धालुओं ने छोटी गणेश प्रतिमाएं विसर्जन के लिए सौंपीं। निगम की टीमों ने प्रतिमाओं का पूजन कर विधि-विधान से विसर्जन कराया। वहीं बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए केडी पैलेस कुंड पर क्रैन और जेसीबी की व्यवस्था की गई थी। कम बारिश के कारण हीरा मिल कुंड में पानी का स्तर करीब 5 से 6 फीट ही रहा, इसलिए यहां बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन नहीं किया गया। बड़ी प्रतिमाओं को एक्वैट्रिज कर विसर्जन रथों के माध्यम से केडी पैलेस कुंड तक पहुंचाया गया, जहां क्रैन की मदद से उनका विसर्जन कराया गया। निगम ने त्रिवेणी घाट, लालपुल घाट, गऊघाट, नर्सिंह घाट, हीरा मिल कुंड, ठावर चौक और केडी पैलेस सहित निर्धारित स्थानों पर व्यवस्थाएं की थीं।

महापौर मुकेश टटवाल ने बताया कि अस्थायी विसर्जन केंद्रों पर प्रतिमाओं और निर्मात्यो को अलग-अलग रखा गया।



भैरव, सिद्धवट घाट, मंगलनाथ और अंगोरेश्वर मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंचाया जाएगा।

इसके अलावा सांदीपनि आश्रम, इस्कॉन मंदिर और चिंतामण गणेश मंदिर को भी दर्शन मार्ग में शामिल किया गया है। इस तरह एक ही बस पास के माध्यम से श्रद्धालु उज्जैन के

पड़ाव और वहां के धार्मिक महत्व की जानकारी मिलती रहेगी।

सुरक्षा के लिए कैमरे, मोबाइल पर बस की लोकेशन- श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बसों के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। वहीं लाइव ट्रैकिंग सिस्टम से बस की वास्तविक लोकेशन मोबाइल पर देखी जा सकेगी। इससे यात्रियों को यह पता रहेगा कि बस किस स्थान पर है और अगले स्टॉप तक पहुंचने में कितना समय लग सकता है।

20 बसें, एक पास और पूरे दिन शहर के धार्मिक स्थलों को सफर- नई व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण सुविधा पूरे दिन का पास होगी। मोबाइल एप से टिकट बुक करने के

बाद श्रद्धालु दिनभर 20 बसों में से किसी भी बस का उपयोग कर सकेंगे। इससे अलग-अलग मंदिरों तक पहुंचने के लिए बार-बार टिकट लेने की जरूरत नहीं होगी। शहर में आने वाले बाहर के श्रद्धालुओं के लिए इससे प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण एक ही दिन में करना आसान होगा।

जीर्ण-शीर्ण भवन में नहीं लगेंगी बच्चों की कक्षाएं

स्कूलों की शिक्षा गुणवत्ता जांचने संभागीय दल करेगा जिलों का दौरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभाग के किसी भी जिले में बच्चों की कक्षाएं जीर्ण-शीर्ण भवन में संचालित नहीं होंगी। ऐसे स्कूल भवनों की स्थिति की जांच कर बच्चों को सुरक्षित भवन में शिफ्ट करने की व्यवस्था की जाएगी। वहीं स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता और शैक्षणिक गतिविधियों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए अब संभाग स्तर की टीमों जिलों के स्कूलों का दौरा करेंगी।

संभागायुक आशीष सिंह ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में सिर्फ नामांकन और योजनाओं की प्रगति देkhना पर्याप्त नहीं है, बच्चों को सुरक्षित भवन और बेहतर शिक्षा मिल रही है या नहीं, इसकी भी मैदानी स्तर

पर जांच जरूरी है।

इसके लिए संभाग स्तर पर दल गठित किए जाएंगे। इनमें पीजीबीटी, डाइट के शिक्षक और शिक्षा विशेषज्ञ शामिल होंगे। दल स्कूलों का सर्वे कर शिक्षा की गुणवत्ता, शैक्षणिक गतिविधियों और व्यवस्थाओं की रिपोर्ट संभागायुक को देगा।

किताबों की कमी समय पर दूर करें- बैठक में छात्रों के नामांकन के साथ पुस्तक परिवहन-वितरण, साइकिल, स्कूटी और लैपटॉप वितरण की समीक्षा हुई। संभाग में पुस्तकों का परिवहन 100त पूरा हो चुका है। जिन जिलों में वितरण के दौरान किताबों की कमी सामने आई है, उसे समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए।

14,387 बच्चों को साइकिल, 762 को स्कूटी- कक्षा 6वीं के 14,387 विद्यार्थियों को

साइकिल दी जानी है। इसके लिए स्वीकृति जारी हो चुकी है और समारोहपूर्वक वितरण किया जाएगा। संभाग में 762 छात्र-छात्राओं को स्कूटी मिलनी है। कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए राशि दी जा रही है। कुल 14,116 विद्यार्थियों में से 13,772 को राशि मिल चुकी है, जबकि शेष विद्यार्थियों की प्रक्रिया जारी है।

स्कूलों में लगाए 1.81 लाख पौधे- एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत संभाग के स्कूलों में 1,81,315 पौधे लगाए गए हैं।

बैठक में उपायुक्त राजस्व राजेंद्र वर्मा, संयुक्त संचालक शिक्षा सहित संभाग के सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक मौजूद रहे।

60 साल बाद ऐसा संयोग, आज से पितरों का तर्पण

सिद्धवट-रामघाट पर उमड़ेंगे श्रद्धालु, 26 सितंबर से 10 अक्टूबर तक चलेगा श्राद्ध पक्ष- देशभर से पहुंचेंगे लोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पितरों के तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध के लिए धार्मिक नगरी उज्जैन में आज शनिवार से श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगेगी। भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से श्राद्ध पक्ष की शुरुआत होगी। सिद्धवट, रामघाट सहित शिप्रा नदी के विभिन्न घाटों पर देशभर से श्रद्धालु पितरों के निमित्त तर्पण और पिंडदान करने पहुंचेंगे। इसे देखते हुए घाटों की सफाई सहित अन्य व्यवस्थाएं की जा रही हैं। शिप्रा में पानी की स्थिति पर भी नजर रखी जा रही है।

इस बार श्राद्ध पक्ष को लेकर धार्मिक दृष्टि से विशेष संयोग की चर्चा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार करीब 60 साल बाद 2026 में सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु और शनि की विशेष स्थिति बन रही है। उनका कहना है कि इससे पहले ऐसी ग्रह स्थिति 1966 में बनी थी। इसी वजह से इस बार के श्राद्ध पक्ष को विशेष माना जा रहा है।

पूर्णिमा से सर्वपितृ अमावस्या तक तर्पण-श्राद्ध पक्ष की शुरुआत 26 सितंबर को भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से होगी। इसका समापन 10 अक्टूबर को आश्विन कृष्ण अमावस्या यानी सर्वपितृ अमावस्या पर होगा। खास बात यह है कि श्राद्ध पक्ष की शुरुआत और समापन दोनों शनिवार को होंगे। इस दौरान सिद्धवट और शिप्रा के घाटों पर पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। सिद्धवट पर पौड़ियों के पितरों के लिए पूजा- सिद्धवट मंदिर के पुजारी राघवेंद्र चतुर्वेदी के अनुसार सिद्धवट का वटवृक्ष भगवान शिव के स्वरूप में पूजित है। धार्मिक मान्यता है कि त्रेतायुग में माता पार्वती ने इस वटवृक्ष को लगाया था। यहां पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध करने की परंपरा है। मान्यता के अनुसार सिद्धवट पर परिवार की कई पौड़ियों के पूर्वजों की शांति और सद्गति के लिए पूजा की जाती है।

शिप्रा के घाटों पर पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

सिद्धवट पर पौड़ियों के पितरों के लिए पूजा- सिद्धवट मंदिर के पुजारी राघवेंद्र चतुर्वेदी के अनुसार सिद्धवट का वटवृक्ष भगवान शिव के स्वरूप में पूजित है। धार्मिक मान्यता है कि त्रेतायुग में माता पार्वती ने इस वटवृक्ष को लगाया था। यहां पिंडदान, तर्पण

और श्राद्ध करने की परंपरा है। मान्यता के अनुसार सिद्धवट पर परिवार की कई पौड़ियों के पूर्वजों की शांति और सद्गति के लिए पूजा की जाती है।

अनंत चतुर्दशी पर दिखा महाकाली का रौद्र रूप और संजीवनी पर्वत उठाए हनुमान

गणेश विसर्जन चल समारोह में पीएचई की झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र- 15 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा और 75 हजार बल्बों से जगमगाया कारवां

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अनंत चतुर्दशी की देर रात शहर में निकले गणेश विसर्जन चल समारोह में पीएचई की दो झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। दोनों झांकियां 31-31 फीट लंबी ट्रॉलियों पर तैयार की गई थीं। पहली झांकी में देवी महाकाली का रौद्र रूप और भगवान भोलेनाथ द्वारा उनके क्रोध को शांत करने का दृश्य जीवंत किया गया। दूसरी झांकी में भगवान हनुमान संजीवनी पर्वत उठाकर लक्ष्मण के उपचार के लिए जाते नजर आए। नगर निगम सहित अन्य विभागों और संगठनों की झांकियां तथा विशाल गणेश प्रतिमाएं भी चल समारोह में शामिल हुईं।

पीएचई की पहली झांकी में देवी महाकाली रौद्र रूप धारण कर राक्षसों का संहार करती दिखाई दीं। इसके बाद उनका क्रोध शांत करने के लिए भगवान भोलेनाथ उनके आगे लेंटे नजर आए। देवी का एक पैर भगवान शिव के सीने पर रखा हुआ था। इसी दृश्य के माध्यम से महाकाली के क्रोध शांत



संहार करती दिखाई दीं। इसके बाद उनका क्रोध शांत करने के लिए भगवान भोलेनाथ उनके आगे लेंटे नजर आए। देवी का एक पैर भगवान शिव के सीने पर रखा हुआ था। इसी दृश्य के माध्यम से महाकाली के क्रोध शांत

होने का प्रसंग दर्शाया गया। दूसरी झांकी में करीब 15 फीट ऊंची भगवान हनुमान की प्रतिमा संजीवनी पर्वत उठाए हुए दिखाई दी। ट्रॉली के पिछले हिस्से में भगवान श्रीगणेश की आकर्षक प्रतिमा विराजित थी।

इलेक्ट्रिक सिस्टम से हुआ प्रतिमाओं का मूवमेंट- दोनों झांकियों में प्रतिमाओं का संचालन और मूवमेंट इलेक्ट्रिक सिस्टम से किया

हुआ प्रतिमाओं का मूवमेंट- दोनों झांकियों में प्रतिमाओं का संचालन और मूवमेंट इलेक्ट्रिक सिस्टम से किया गया। झांकियों को रोशन करने के लिए करीब 25 हजार बड़े बल्ब और 50 हजार

मिनिएचर बल्ब लगाए गए थे। इस तरह कुल 75 हजार बल्बों से झांकियां जगमगाती रहीं। इनका निर्माण गणेश चतुर्थी से ही शुरू कर

दिया गया था।

24 और 18 फीट की ट्रॉलियों पर दिखी कृष्ण की रासलीला और नर्सिंह अवतार- नगर निगम की दो झांकियां भी चल समारोह का आकर्षण रहीं। 24 फीट लंबी ट्रॉली पर भगवान श्रीकृष्ण की गोपियों के साथ रासलीला का दृश्य प्रस्तुत किया गया। इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के संचालन से कृष्ण और गोपियों की प्रतिमाएं सजीव नजर आईं। वहीं 18 फीट लंबी दूसरी ट्रॉली पर भगवान विष्णु का नर्सिंह अवतार हिरण्यकश्यप का वध करते नजर आए। इसके ठीक पीछे भगवान श्रीकृष्ण सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध करते दिखाई दिए। दोनों झांकियों में आकर्षक विद्युत सज्जा की गई थी। इन्हें तैयार करने में अशोक राव, सुल्तान सिंह, पेंटर प्रकाश राव सहित अन्य कलाकारों ने करीब 15 दिन मेहनत की।

सौदा कराने के बहाने कार ठिकाने लगाने वाला गिरफ्तार, 2 दिनों की रिमांड पर पूछताछ, साथियों की तलाश में दबिश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सौदा कराने के लिये कार लेकर गया युवक अमानत में खयानत कर बैठा। उसने कार को ठिकाने लगा दिया। मामले की शिकायत पुलिस के पास पहुंची तो प्रकरण दर्ज किया गया। युवक को एक माह बाद गिरफ्तार किया गया तो उसके पास से पुलिस का फर्जी आईडी कार बरामद हुआ। रिमांड पर लेकर उसके गिरोह में शामिल साथियों की तलाश की जा रही है।

माधवनगर थाना पुलिस को वल्लभनगर में रहने वाले उदित पिता कृष्णकांत बोहरे (शर्मा) ने 19 अगस्त को शिकायत दर्ज कराई थी कि वह प्रायवेट जाँब करता है। उसे अपनी स्कॉर्पियों कार क्रमांक एमपी 04 व्हाय आर 8334 बेचना थी। उसने परिचित फैजान पिता मोहम्मद शाह निवासी सम्राटनगर इंदौर से संपर्क किया। उसने काफी पहचान होने का हवाला दिया और कार अपने साथ

ले गया। कुछ दिनों तक वापस नहीं लौटा तो उससे संपर्क करने का प्रयास किया गया। मोबाइल बंद आने पर अपनी स्कॉर्पियों की जानकारी जुटाई तो पता चला कि 5 लाख में मंदसौर निवासी को सौदा कर लिया और अमानत में खयानत की है। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर फैजान की तलाश शुरू की। एक माह बाद बुधवार रात उसे रतलाम से गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया। उसके पास से मध्यप्रदेश पुलिस का फर्जी आईडी कार्ड, 6 से 7 कारों की अलग-अलग चाबी, 2 मोबाइल फोन बरामद हो गये। शुक्रवार को न्यायालय में पेश

कर 2 दिनों की रिमांड पर लिया गया है। स्कॉर्पियों बरामद करने मंदसौर जायेगी पुलिस- एसआई सालगुमम चौहान ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी काफी शांतिर होना सामने आया है। मंदसौर में ठिकाने लगाई

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती को जिले के सभी बूथों पर मनाया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंत्योदय व एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रवादी, महान विचारक एवं हम सभी कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी

की जन्म जयंती पर उज्जैन ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़ ने नागदा नगर के वार्ड 21 में बृथ क्रमांक 122 पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया।

जिला मीडिया प्रभारी गजेंद्र परमार ने बताया कि उज्जैन जिले की पांच विधानसभा के 23 मंडलों के सभी बृथ केंद्रों पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती को पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया।



इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारतीय जनसंघ के सह-संस्थापक तथा भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक मार्गदर्शक और नैतिक प्रेरणा-स्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन करता हूं। जिला अध्यक्ष धाकड़ ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन राष्ट्रसेवा,सादगी, शुचिता और पति पदाधिकारी व कार्यकर्ता उत्प्रेक्षित रहे।

‘अंत्योदय’ के माध्यम से उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास, अवसर और सम्मान पहुंचाने का मार्ग दिखाया, वहीं ‘एकात्म मानववाद’ के माध्यम से उन्होंने समावेशी, संतुलित एवं समन्वित विकास

की व्यापक दृष्टि प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि उनके विचार, जीवन और आदर्श सदैव राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देते रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।उनकी जयंती पर उनके विचारों और आदर्शों को आत्मसात करते हुए अंत्योदय, राष्ट्रहित और समाजसेवा के संकल्प को और सुदृढ़ करने का प्रण लें।इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सदीप व्यास,मण्डल अध्यक्ष विजय पटेल,गोवर्धन परिहार सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एकात्म मानववाद और अंत्योदय का विचार आज भी देश के विकास का मार्गदर्शक : भाजपा



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी नगर जिला उज्जैन द्वारा एकात्म मानववाद के प्रणेता, महान चिंतक एवं राष्ट्रसेवक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, उ वि प्रा अध्यक्ष रवि सोलंकी, सिंहस्थ प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, मप्र हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष ओम जैन , प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ प्रभुलाल जाटवा ने नानाखेड़ा स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन निर्माण और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित किया। उनका ‘अंत्योदय’ का विचार आज भी जनकल्याणकारी नीतियों की मूल भावना है। उन्होंने एकात्म मानववाद के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित को केंद्र में रखते हुए विकास की दिशा प्रस्तुत की। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री जगदीश पांचवाल, आनन्दसिंह खींची, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी, राकेश पांड्या, कल्याण शिवहरे, उमेश सेंगर, परेश कुलकर्णी, मुकेश पोरवाल, सतीश सिन्दल, प्रमिला यादव सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेजाजी मंदिर में महिलाओं के गले से मंगलसूत्र, चैन चोरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तेजादशमी का पर्व सोमवार को मनाया गया था। खिलचौपर मंदिर में 3 महिलाओं के साथ वादयत हो गई। गले से चेन, मंगलसूत्र और पेंडल चोरी होने पर 3 दिन बाद मामले में शिकायत दर्ज कराई गई है। चिमनगंज थाना क्षेत्र के आगररोड पर तेजाजी महाराज का मंदिर बना हुआ है। 21 सितंबर सोमवार को मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु छत्री निशान चढ़ाने और पूजा अर्चना के लिये पहुंचे थे। इंदिरानगर गर्धव तलाब के पास रहने वाली प्रीति पति सुनील उपाध्याय अपनी 2 सहेलियों कमला पति ओंकारलाल चावड़ा गणेश नगर और मोहनबाई पति कालूराम चौहान निवासी इंदिरानगर के साथ मंदिर में दर्शन करने शाम के समय पहुंची थी।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस से एक दिन के नवजात को अहमदाबाद पहुंचाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गंभीर हृदय रोग से पीड़ित एक दिन के नवजात को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पीएम श्री एयर एम्बुलेंस की सहायता से अहमदाबाद पहुंचाया गया। उज्जैन से इंदौर और इंदौर से अहमदाबाद तक नवजात को सुरक्षित एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाया गया।

नवजात के परिजनों के पास आयुष्मान कार्ड होने के कारण पात्रतानुसार उपचार एवं संबंधित स्वास्थ्य सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि ग्राम जमुणी, जिला देवास निवासी बेबी पिता धीरज, उम्र मात्र एक दिन, गंभीर हृदय बीमारी के चलते बालाजी अस्पताल, उज्जैन में भर्ती था। नवजात की गंभीर स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन द्वारा उच्च चिकित्सा केंद्र पर उपचार की आवश्यकता के संबंध में सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल से संपर्क किया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल एवं पीएम श्री एयर एम्बुलेंस के नोडल अधिकारी डॉ. आदित्य माथुर ने तत्काल आवश्यक समन्वय करते हुए एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की। नवजात को पहले एम्बुलेंस के माध्यम से उज्जैन से इंदौर पहुंचाया गया।

इसके बाद इंदौर से पीएम श्री एयर एम्बुलेंस के माध्यम से लगभग दो घंटों में सुरक्षित रूप से यू.एन. मेहता अस्पताल, अहमदाबाद (गुजरात) पहुंचाया गया।